अनुक्रमांक

नाम

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

101

301(HF)

2025

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 100

नोट :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड - क

1. (क) 'नासिकेतोपाख्यान' के लेखक हैं 1

(i) लल्लू लाल (ii) सदल मिश्र

(iii) इंशा अल्ला खाँ (iv) मुंशी सदासुख लाल।

(ख) 'ब्राह्मण' पत्रिका के सम्पादक हैं 1

(i) बाल कृष्ण भट्ट (iii) डॉ० राम कुमार वर्मा

(iii) श्याम सुन्दर दास (iv) प्रताप नारायण मिश्र।

(ग) 'चन्द्रधर शर्मा गुलेरी' की कहानी है 1

(i) मंत्र (ii) उसने कहा था

(iii) दुलाईवाली (iv) मधुआ।

(घ) 'साहित्य और संस्कृति' के लेखक हैं 1

(i) राम विलास शर्मा (ii) प्रेमचन्द

(iii) नामवर सिंह (iv) अमृतराय।

(ङ) 'स्मृति की रेखाएँ' किस विधा की रचना है? 1

(i) नाटक (ii) आत्म कथा

(iii) जीवनी (iv) संस्मरण।

modelpaper.info

2. (क) हिन्दी साहित्य के आदिकाल के कवि हैं 1

(i) नाभादास (ii) केशवदास

(iii) नरपति नाल्ह (iv) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'।

(ख) कबीरदास के गुरु का नाम था 1

(i) मध्वाचार्य (ii) नंददास

(iii) रामानंद (iv) नरहरिदास।

(ग) कौन-सी रचना भक्तिकाल से सम्बन्धित नहीं है? 1

(i) पद्मावत (ii) कृष्णायन

(iii) सूरसागर (iv) कवितावली।

(घ) 'उद्धव शतक' के रचनाकार हैं 1

(i) जगन्नाथ दास रत्नाकर (ii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(iii) मैथिलीशरण गुप्त (v) राजा लक्ष्मण सिंह।

(ङ) महावीर प्रसाद द्विवेदी सम्पादक हैं 1

(i) 'सरस्वती' पत्रिका के (ii) 'प्रभा' पत्रिका के

(iii) 'मर्यादा' पत्रिका के (iv) 'चाँद' पत्रिका के।

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: $5\times2=10$

संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि संभव है। राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्त्वपूर्ण स्थान है। यदि भूमि और जन अपनी संस्कृति से विरहित कर दिये जायें तो राष्ट्र का लोप समझना चाहिए। जीवन के विटप का पुष्प संस्कृति है। संस्कृति के सौन्दर्य और सौरभ में ही राष्ट्रीय जन के जीवन का सौन्दर्य और यश अंतर्निहित है। ज्ञान और कर्म दोनों के पारस्परिक प्रकाश की संज्ञा संस्कृति है। भूमि पर बसने वाले जन ने ज्ञान के क्षेत्र में जो सोचा है और कर्म के क्षेत्र में जो रचा है, दोनों के रूप में हमें राष्ट्रीय संस्कृति के दर्शन मिलते हैं।

(i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक के नाम लिखिए।

(ii) राष्ट्र का अभ्युदय कैसे सम्भव है?

(iii) राष्ट्र का लोप किसके अभाव में हो जाता है?

modelpaper.info

(iv) किसके पारस्परिक प्रकाश की संज्ञा संस्कृति है?

(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

भाषा समूची युग चेतना की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है और ऐसी सशक्तता वह तभी अर्जित कर सकती है, जब वह अपने युगानुकूल सही मुहावरों को ग्रहण कर सके। भाषा सामाजिक भाव-प्रकटीकरण की सुबोधता के लिए ही उद्दिष्ट है, इसके अतिरिक्त जरूरत ही सोची नहीं जाती। इस उपयोगिता की सार्थकता सम-सामयिक सामाजिक चेतना में प्राप्त (द्रष्टव्य) अनेक प्रकारों की संश्लिष्टताओं की दुरुहता का परिहार करने में निहित है। कभी-कभी अन्य संस्कृतियों के प्रभाव से और अन्य जोतियों के संघर्ष से भाषा में नये शब्दों का प्रवेश होता है।

(i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ और लेखक के नाम लिखिए।

(ii) समूची युग चेतना की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम क्या है?

(iii) भाषा किस भाव का प्रकटीकरण करने का उद्देश्य रखती है?

(iv) भाषा में नये शब्दों का प्रवेश कब होता है?

(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5×2=10

नील परिधान बीच सुकुमार
    खुल रहा मृदुल अधखुला अंग,
खिला हो ज्यों बिजली का फूल
    मेघ-वन बीच गुलाबी रंग।
आह! वह मुख पश्चिम के व्योम-
    बीच जब घिरते हों घनश्याम,
अरुण रवि मंडल उसको भेद
    दिखाई देता हो छविधाम।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और रचयिता के नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'मेघ-वन बीच गुलाबी रंग' में अलंकार निरूपण कीजिए।
(iv) इस अवतरण में किसके सौन्दर्य का वर्णन किया गया है ?
(v) 'परिधान' तथा 'अरुण' के एक-एक पर्यायवाची) शब्द लिखिए।

अथवा

यह मनुज जिसकी शिखा उद्दाम,
कर रहे जिसको चराचर भक्ति युक्त प्रणाम।
यह मनुज जो सृष्टि का श्रृंगार,
ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का अंगार
व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय,
पर, न यह परिचय मनुज का यह न उसका श्रेय।

(i) प्रस्तुत पद्यांश के कविता का शीर्षक एवं कवि के नाम का उल्लेख कीजिए।
(ii) चराचर किसे भक्ति पूर्वक प्रणाम करते हैं ?
(iii) ज्ञान-विज्ञान के आलोक का अंगार कौन है
(iv) व्योम से आकाश तक का ज्ञान किसे कहते हैं ?
(v) सृष्टि का श्रृंगार कौन है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए: 3+2=5
(i) डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी
(ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी
(iii) डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम।
(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय एवं उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए: 3+2=5
(i) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'
(ii) जयशंकर प्रसाद
(iii) सुमित्रा नंदन पंत।

6. 'बहादुर' अथवा 'खून' का रिश्ता' कहानी की कहानी कला के आधार पर समीक्षा कीजिए। 5

mpboardpaper.info

अथवा

'लाटी' के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. 'स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड़काव्य के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 5

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के कथानक की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर नायक के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रोपदी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की राष्ट्रीयता और देशभक्ति की भावना पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्धन' के चरित्र की विशेषताएँ बताइए।

(ङ) खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'आलोक-वृत्त' के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

modelpaper.info

(च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

खण्ड - ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों का संदर्भ-सहित हिन्दी में अनुबाद कीजिए। 2+5=7

धन्योऽयम् भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी, भल्यभावोद्भाविनी, शब्द सन्दोह प्रसबिनी सुरभारती। विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते। इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति। अस्माकं ऐसोयण-महाभारताचैतिहासिक ग्रन्थाः, चत्वारो बेदाः, सर्धा उपनिषदः, अष्टादशपुराणानि, अन्यानि च महाकाव्य नाट्चादीनि अस्थामेव भाषायां लिखित्तानि सन्ति। इयमेव भाषा सर्वासामार्यभाषाणां जननीति मन्यते भाषातत्त्वविद्भिः।

अथवा

महापुरुषाः लौकिक-प्रलोभनेषु बृद्धाः नियतलक्ष्यात कदापि भ्रश्यन्ति। देशसेवानुरक्तोऽयं मुबा उच्चन्यायालयस्य परिधौ स्थातुं नाशक्नोत् पण्डित मोती लाल नेहरू, लाला लाजपतरायप्रभूतभिः अन्यैः राष्ट्रनायकैः सह सोऽपि देशस्थ स्वतन्त्रतासंग्रामेऽवतीर्णः।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में संदर्भ-सहित अनुबाद कीजिए: 2+5=7

पश्य रूपाणि सौमित्रे बनानां पुष्पशालिनाम्।
सृजतां पुष्प वर्षाणि वर्ष तोयमुचामिव॥

बज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि।
लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञानुमर्हति॥

9. निम्नलिखित में से किन्हीं वो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए। 2+2=4

(क) संस्कृतस्य के प्रमुखाः कवयः आसन्?

(ख) भोजस्य सभायां कः कविः प्रभातवर्णनम् अक्रोत?

modelpaper.info

(ग) खलस्य विद्या किं अर्थ भवति ?

(घ) शिक्षायाः क्षेत्रे श्रीमालवीयः किमकरोत् ?

10. (क) 'वीर' अथवा 'शान्त' रस की परिभाषा सोदाहरण लिखिए। 2

(ख) 'उपमा' अथवा 'रूपक' अलंकार की परिभाषा लिखकर उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। 2

(ग) 'सवैया' अथवा 'चौपाई' की परिभाषा लिखकर उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। 2

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए। 9

(क) ग्रामीण रोजगार योजनाएँ

(ख) वर्तमान में युवा की दशा और दिशा

(ग) प्रजातंत्र में राजनीतिक दलों का महत्त्व

(घ) मेरा प्रिय कवि।

12. (क) (अ) 'भावुकः' का सन्धि विच्छेद है 1

(i) भौ + उकः

(ii) भौ + अकः

(iii) भाव + ओकः

(iv) भौ + अकः।

(ब) 'सत् + चरित्रम्' की सन्धि होगी 1

(i) संचरित्रम्

(ii) सञ्चरित्रम्

(iii) सच्चिरत्रम्

(iv) सच्चरित्रम्।

(स) 'रामस्तिष्ठति' में सन्धि है 1

(i) स्वर सन्धि

(iii) विसर्ग सन्धि

(ii) व्यंजन सन्धि

iv) गुण सन्धि।

modelpaper.info

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 2

(i) प्रतिदिनम्

(ii) पीतकमलम्

(iii) पीताम्बरः ।

13. (क) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए : 1

(i) करणीयः (ii) पीत्वा (iii) मानवत्व ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का प्रत्यय लिखिए : 1

(i) नीत्वा (ii) गमनीयः (iii) लघुत्व ।

(ग) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विपक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए: 2

(i) विद्यालयम् परितः वृक्षाः सन्ति ।

(ii) मोहनः गृहात् आगच्छति ।

(iii) काव्येषु नाटकं रम्यम् ।

14. बीमार होने के कारण विद्यालय आने में असमर्थ होने की स्थिति में प्राचार्य से एक सप्ताह के लिए अवकाश हेतु प्रार्थना-पत्र लिखिए। 8

अथवा

आपके क्षेत्र में अनधिकृत भवन बनाए जा रहे हैं उस अवैध निर्माण को रोकने के लिए जिलाधिकारी को प्रार्थना-पत्र लिखिए ।

modelpaper.info